डाक पंजीयन क्रमांक-म.प्र./भोपाल/357/2015-17

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

● वर्ष 60 ● अंक 21 ● भोपाल ● 1-15 अप्रैल, 2017 ● पृष्ठ 8 ● एक प्रति 7 रु. ● वार्षिक शुल्क 150/- ● आजीवन शुल्क 1500/-

अच्छे प्रशासन के लिये तकनीक का उपयोग जरूरी-मुख्यमंत्री श्री चौहान

मोबाइल एप-शिवराज सिंह चौहान की लांचिंग

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आज के समय में अच्छा प्रशासन देने के लिये तकनीक का उपयोग करना जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान यहाँ **मोबाइल एप शिवराज सिंह चौहान** के लांचिंग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह सुशासन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम है। यह जनता के जुड़ने का सशक्त डिजिटल माध्यम है। इससे कम समय में जनता जुड़ेगी तथा सुझाव और समस्याओं की जानकारी दे सकेगी। इस एप से कार्यक्रमों तथा शासकीय योजनाओं की जानकारी भी मिलेगी। यह परस्पर संवाद का अच्छा माध्यम बनेगा। इससे जनता की समस्या का समाधान त्वरित समय में होगा।

प्रमुख सचिव जनसंपर्क श्री एस.के.मिश्रा ने एप के संबंध में जानकारी दी। एण्ड्राईड फोन के गूगल प्ले स्टोर पर शिवराज सिंह चौहान एप सर्च कर सकते हैं। इसे सिलेक्ट कर इंस्टॉल बटन दबाये। अगर एप कोई परमिशन माँगता है तो सहमति दें । एप इंस्टॉल होने के बाद अपनी भाषा अंग्रेज़ी या हिंदी का चयन कर सकते हैं। यह एप में मेन्यू सेक्शन में जा कर अलग-अलग जानकारियाँ प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री के समाचार, कार्यक्रम और उनके भाषण के वीडियो देख सकते हैं एवं ऑडियो सुन सकते हैं। साथ ही लेख पढ़ सकते हैं और अपना फ़ीडबेक भी दे सकते हैं। सोशल मीडिया से भी सीधा एप के माध्यम से जुड़ सकते हैं। बहुत सारे इंटरैक्टिव फ़ीचर्स इस एप में आने वाले दिनों में डाले जाएँगे। इसका आई.ओ.एस. वर्ज़न भी बहुत जल्द उपलब्ध करवाया जा रहा है।

बीस जिलों में बीज गोदाम-सह ग्रेडिंग प्लांट स्थापित होंगे

राज्य मंत्री श्री सारंग की अध्यक्षता में बीज संघ के संचालकों की बैठक

भोपाल सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विश्वास सारंग ने कहा है कि प्रदेश के 20 जिले में गोदाम-सह-ग्रेडिंग प्लांट स्थापित किये जायेंगे। इसके जरिये 20 समितियों को बीज की ग्रेडिंग के काम में सुविधा मिलेगी। श्री सारंग मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं विपणन संघ के संचालक मण्डल की बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता श्री अजीत केसरी, आयुक्त सहकारिता श्री कवीन्द्र कियावत और प्रबंध संचालक बीज संघ श्री एस.एन. कोरी उपस्थित थे।

राज्य मंत्री श्री सारंग ने बताया कि वर्तमान में 6 जिले खरगोन, खण्डवा, बालाघाट, विदिशा, टीकमगढ़ और मंदसौर में गोदाम निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने प्रदेश में पंजीकृत 2523 बीज उत्पादक समितियों की समीक्षा करने और उन्हें संघ का सदस्य बनाने को कहा।

बताया गया कि वर्ष 2017-18 में बीज उत्पादन कार्यक्रम में 14 लाख 57 हजार क्विंटल बीज उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो गत वर्षों की अपेक्षा 64.51 प्रतिशत अधिक है। बीज संघ की सदस्य ऐसी समितियों, जिनके उत्पादित बीज की उपलब्धता की जानकारी सीजनवार बीज संघ के पोर्टल पर अपलोड की गई है, के बीज को प्राथमिकता के आधार पर कृषि विभाग की शासकीय योजनाओं और प्राथमिक साख सहकारी समितियों में वितरण करने की व्यवस्था की जायेगी।

सरकार ने सहकारिता को दिया नया आयाम - राज्यमंत्री श्री सारंग

सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्षों की कार्यशाला सम्पन्न

दमोह। मध्यप्रदेश में सहकारिता आंदोलन को और मजबूती की दिशा में ले जाना है, पूर्व की सरकारों ने इस आंदोलन को मजबूत करने की दिशा में कुछ नहीं किया। प्रदेश में पिछले 13 सालों से भाजपा सरकार ने सहकारिता को नया आयाम दिया है, जिसके परिणाम दिखने लगे हैं। प्रदेश को चार कृषि कर्मण अवार्ड मिले हैं इसमें सहकारिता की अहम भूमिका है। इस आशय के उद्गार प्रदेश के सहकारिता, भोपाल गैस त्रासदी राहत तथा पुर्नवास और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विश्वास सारंग ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में नाबार्ड द्वारा आयोजित जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों के अध्यक्षों की कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा खेती को लाभ का धंधा बनाना है। इस दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है।

सहकारिता भोपाल गैस त्रासदी राहत तथा पुर्नवास और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विश्वास सारंग ने किसानों के जनजागरण पर बल देते हुए कहा कि इस दिशा में काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा सहकारिता को संस्कार के साथ हम आगे बढ़ायेगें, मिलकर काम करेगें इससे निश्चित ही बेहतर परिणाम आयेंगे। श्री सारंग ने कहा पूरी ताकत से सहकारिता आंदोलन को आगे लाकर आदर्श बनायेगें और नये आयम स्थापित करेगें। उन्होंने कहा हम सब यहां सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के उद्देश्य से एकत्रित हुए हैं। राज्य मंत्री ने कार्यक्रम के लिए नाबार्ड को धन्यवाद और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष राजेन्द्र गुरू को बधाई दी।

सहकारिता मंत्री ने सहकारी मंथन की सफ्लता के बारे में अपने विचार रखते हुए कहा कि सहकारिता मंथन की सफ्लता लोगों के बीच कम्यूनिकेशन रहा। उन्होंने कहा मंथन की 80 प्रतिशत रिकमण्डेशन लागू की गयी है। यह भी कहा कि आगामी माह हम सहकारी सम्मेलन भोपाल में आयोजित कर रहे हैं, जिसमें हम अपना रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करेंगे। श्री सारंग ने कहा संविदा अधिकारी-कर्मचारी सेवा में है, उन्हें नहीं निकाला जायेगा, इस भ्रम को मन से निकाल दें। यह भी कहा कि कर्मचारी अधिकारियों की भर्ती की जा रही है जिससे बैंकों की कार्य क्षमता में बदलाव आयेगा और हम बेहतर करने की दिशा में अग्रसर होगें। श्री सारंग ने कहा सहकारी बैंको की स्थिति बदली है, अभी दो बैंकों की स्थिति खराब है जिन्हें हम दो माह में बेहतर स्थिति में ले आयेंगे। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

सहकारिता की मूल भावना को समझना होगा

राज्य सहकारी संघ द्वारा आयोजित सहकारी सम्मेलन में डॉ. पाण्डेय ने कहा

रतलाम। राज्य सहकारी संघ द्वारा आयोजित सहकारी सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ विधायक डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि सहकारिता की मूल भावना को समझना होगा। सहकारिता के माध्यम से आम आदमी का जीवन उन्नत बनाने और परस्पर एक दूसरे को जोड़ने का काम किया जा सकता है। हमें इस क्षेत्र में इस संकल्प के साथ काम करना होगा कि हम नौकरी के लिए नहीं बल्कि नौकरी देने के लिए काम करेंगे।

श्री पाण्डेय ने पन्द्रह मार्च बुधवार को प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था ढोढ़र परिसर में 'सहकारिता के माध्यम से समग्र विकास' विषय पर बोलते हुए आयोजित समारोह में यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आम जनता का ध्यान आज सहकारिता की ओर है, उन्हें लगता है कि सहकारिता के माध्यम से ही हमारे जीवन की नैया पार हो सकती है। शासन स्तर पर लोगो को आत्म निर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गई है उसका लाभ भी समाज के हर तबके को मिल रहा है। आवश्यकता इस बात कि है की हम सहकारी कार्यकर्ता के रूप में जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में लिज्जत पापड़ को आगे बढाने में महिलाओं की ही भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए अनेक योजनायें बनाई है और सहकारिता के माध्यम से ही अनेक ऐसी योजनाऐं संचालित हो रही है जिसका किसानों को लाभ मिल रहा है। उनका मानना है कि किसान खुशहाल बनेगा तो देश व प्रदेश खुशहाल बनेगा।

डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय ने राज्य सहकारी संघ द्वारा 1 अप्रेल से प्रारंभ की जाए रही कौशल उन्नयन योजना की सराहना की, इस योजना से ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार के सुअवसर मिल सकेंगे एवं परम्परागत उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला सहकारी संघ के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार शरद जोशी ने कहा कि आज सहकारिता के सामने अने चुनौतियां है जिसका मुकाबला सहकारी प्रशिक्षण से ही संभव है, यह कार्य राज्य सहकारी संघ के नेतृत्व में जिला सहकारी संघ द्वारा किया जाता है, जब तक सहकारी क्षेत्र के कार्यकर्ता प्रशिक्षित नहीं होंगे तब तक सहकारी आन्दोलन उन्नत नहीं हो सकता। श्री जोशी ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ही ग्रामीण किसानों का समग्र विकास किया जानरा संभव है। शासनर के द्वारा वर्तमान में कई ऐसी योजनाएं चलाई जा रही है जैसे 0% ब्याज पर कृषि ऋण, रासायनिक खाद पर मूलधन में 10% की छूट, महिलाओं को स्व–सहायता समूह के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना।

उन्होंने आगे कहा कि आज सहकारी संस्थाएं अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है और कई संस्थाएं आक्सीजन पर है। यदि सहकारिता को जिन्दा रखना है तो सहकारी संस्थाओं को उचित मार्गदर्शन देकर उनकी समस्याओं की ओर गंभीरता से ध्यान देना होगा। देश में सहकारिता के चिंतकों ने जिस सहकारी आन्दोलन की परिकल्पना की थी उसके विपरीत आज सहकारिता का सरकारीकरण हो रहा है यह ठीक नहीं है, उन्होंने पूरे प्रदेश में सहकारिता कानून में एकरूपता लाने की बात भी कही ओर इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि प्रदेश में ग्रामीण शिक्षित बेरोजगारों के लिए कौशल उन्नयन योजना प्रारंभ कर राज्य सहकारी संघ को नोडल एजेंसी बनाया है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए म.प्र. राज्य सहकारी संघ के प्राचार्य श्री के. एल. राठौर ने कहा कि यह सम्मेलन भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ एवं म.प्र. राज्य सहकारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में रतलाम जिले में आयोजित किया जा रहा है। सहकारिता के माध्यम से समग्र विकास विषय पर बोलते हुए बताया कि म.प्र. शासन द्वारा सहकारिता के माध्यम से सहकारी क्षेत्र में शिक्षित बेरोजगारों हेतु कौशल उन्नयन पर आगामी वित्तीय वर्ष में प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से रोजगारा उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने राज्य सहकारी संघ द्वारा संचालित गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर विशेष अतिथि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के संचालक गोपीचंद पाटीदार, जावरा मंडल उपाध्यक्ष महेश सोनी, पिपलौदा मंडल अध्यक्ष बद्रीलाल शर्मा, अशोक जैन आंटिया, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मुकेश बग्गड़, जावरा नगरपालिका उपाध्यक्ष पवन सोनी, भाजपा नेता डा. सत्यनारायण पोरवाल, प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था के अध्यक्ष बलवंतसिंह पवार, सरपंच श्रीमती ममता राकेश चौहान, चंद्रपाल पाटीदार ने भी समरोह को संबोधित किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के शाखा प्रबंधक देवेन्द्र शर्मा, ढोढ़र संस्था के प्रबंधक राधेश्याम सोनी, जिला सहकारी संघ के जनसंपर्क अधिकारी पिंकेश भट्ट, संस्था प्रबंधक फकीरचंद कटारिया, सहायक प्रबंधक बंशीलाल सेठिया, जयसिंह सिसौदिया, देवीलाल धाकड़, मनीष मेहता, श्रीमती मांगीबाई, उपाध्यक्ष, बद्रीलाल माली, चांदखॉ मंसूरी, बाबूलाल राठौड़, नटवरलाल व्यास, देवीलाल धाकड़, राधेश्याम सुनारिया, कचरूलाल माली, आत्माराम कुमावत, शंकरलाल जी सरपंच प्रतिनिधि बरचोड़ी, कन्हैयालाल राठौर जनपद सदस्य, हिम्मतसिंह राठौर, रितेश सोलंकी, कमलसिंह चन्द्रावत, मनोहरलाल मालपानी, दुर्गासिंह राठौर, गणेश मेहता, कारूलाल गेहलोत, मोहनलाल माली, गजेन्द्रसिंह राठौर ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा राज्य शासन द्वारा की जा रही समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुभारंभ किया। इस अवसर पर तोलकांटे की विधिवत पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता निरंजन कसारा ने किया। अन्त में आभार प्रदर्शन जिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपार्लन अधिकारी अनिरूद्ध शर्मा ने किया।

तनाव प्रबंधन पर भोपाल में प्रशिक्षण

भोपाल। तनाव हर क्षेत्र में है। इससे कोई अछूता नहीं - महिला हो या पुरुष। सभी इसकी गिरफ्त में है। महिलाओं को उनकी दोहरी प्राथमिकता परिवार और कार्यस्थल है इन दोनों जगह की जवाबदारी होती है। इसके लिये तनाव प्रबंध एक अनिवार्यता है। इसलिये यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक प्रयास है। उक्त उद्‌गार कार्यालय आयुक्त एवं पंजीयक सहकारी संस्थाओं में पदस्थ महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों के तनाव प्रबंध पर मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल में प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ पर प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन ने व्यक्त किये। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। विषय विशेषज्ञ के रूप में श्रमिक कल्याण बोर्ड के श्री पृथ्वीराज सिन्हा ने विषय पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्रीमती मीरा असवाल, संयुक्त आयुक्त, श्रीमती कृति सक्सेना, उप आयुक्त एवं श्रीमती छाया भारद्वाज, सहायक आयुक्त सहित 44 महिलाएँ उपस्थित थीं। कार्यक्रम समयन्वयक श्रीमती रेखा पिप्पल, व्याख्याता थीं तथा अन्त में आभार श्री ए.के. जोशी, व्याख्याता ने व्यक्त किया।

विषय विशेषज्ञ की राय

तनाव क्या :
जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है सिवाय परिवर्तन के। परिवर्तन से सामंजस्य बिठा पाना एक कला है जो न बिठा पाया उसे तनाव होगा।

तनाव कब :
अपेक्षाओं की अधिकता एवं अपेक्षा अनुरूप कार्य न होना। कार्यभार की अधिकता। शारीरिक स्वास्थ्य में कमजोरी और समय प्रबंधन की कमी।

कैसे दूर करें :
मेडिटेशन, प्राथमिकताओं के आधार पर कार्यों की सूची तैयार कर कार्य करना। प्रकृति के समीप जाना। खेलकूद, बच्चों के साथ समय व्यतीत करना। संगीत सुनना।

सहकारिता के विकास में सदस्यों की जागरूकता जरूरी

जिला स्तरीय सहकारी सम्मेलन/सेमीनार

छिंदवाड़ा। सहकारिता के विकास में सदस्यों की जागरूकता जरूरी है। मानव सभ्यता का विकास सहकारिता से ही संभव हो पाया है। सहकारिता में अपार संभावनाऐं है। उक्त उद्‌गार अपर कलेक्टर श्री आलोक श्रीवास्तव ने यहां जिला सहकारी संघ मर्यादित, छिन्दवाड़ा के प्रांगण में राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा जिला स्तरीय सहकारी सम्मेलन/सेमीनार में व्यक्त किये। सम्मेलन में उपस्थित जिले के विभिन्न अंचलों से उपस्थित कृषकों और सहकारिता क्षेत्रों से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं के मध्य सम्मेलन की विषय वस्तु ''सहकारिता के माध्यम से सतत् विकास एवं समृद्धि'' पर परिचर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित केन्द्रीय सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.सी. पटले ने साख आन्दोलन में विस्तृत प्रकाश डाला, श्री पटले ने कहा कि सहकारिता से बड़ा कोई नेटवर्क नहीं है इसी से देश की अर्थव्यवस्था में सुधार आ सका है वर्तमान समय में सहकारिता में सक्षमता से कार्य करने के लिए महती आवश्यकता है। जिला सहकारी मंच के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री योगेश तेकाड़े ने सहकारिता में युवा सहभागिता की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम में उपस्थित उप आयुक्त सहकारिता कु. अनिता उईके न सहकारिता विभाग की सेवाओं का जिक्र करते हुए नई समितियों के पंजीयन हेतु प्रावधान बताये एवं मंच से आश्वासन दिया कि सहकारी संस्थाओं की प्रगति एवं आर्थिक समृद्धि में संवेदनशील सेवायें देने हेतु अनवरत प्रयासरत है। कार्यक्रम के संयोजक वी.के. बर्वे ने अतिथियों का स्वागत करते हुये, सम्मेलन की पृष्ठभूमि प्रस्तुत की। शिवकुमार गौतम प्रशिक्षक द्वारा सहकारी नेतृत्व को सशक्त करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन श्री एस.के. चतुर्वेदी, व्याख्याता द्वारा किया गया।

ऑडिट एवं वसूली प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

धार। म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा धार जिले की जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, एकीकृत सहकारी विकास परियोजना तथा जिला सहकारी संघ के सहयोग से वसूली प्रबंध एवं ऑडिट विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। दिनांक 20 मार्च 2017 को होटल रूद्राक्ष, धार के सभागृह में वसूली एवं बिक्री अधिकारियों को वसूली प्रबंध पर आगर केन्द्र के प्राचार्य श्री पी. डी. गांवशिंदे तथा इन्दौर केन्द्र के कम्प्यूटर प्रशिक्षक श्री शिरीष पुरोहित द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर. एस. वसुनियां द्वारा किया गया तथा बैंक के स्थापना अधिकारी श्री राजेन्द्र पाटिल एवं योजना विकास अधिकारी श्री मोतीलाल पाटीदार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके पश्चात धार जिले के विभागीय अधिकारियो को ऑडिट विषय पर श्री पी. डी. गांवशिंदे, प्राचार्य ने प्रशिक्षण प्रदान किया। सत्र को श्री अम्बरीष वैध उप आयुक्त सहकारिता जिला धार ने भी संबोधित किया। दिनांक 21 मार्च 2017 को धार जिले के पेक्स प्रबंधकों हेतु वसूली प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आगर केन्द्र के प्राचार्य श्री पी. डी. गांवशिंदे तथा इन्दौर केन्द्र के कम्प्यूटर प्रशिक्षक श्री शिरीष पुरोहित द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला सहकारी संघ, धार के प्रबंधक श्री सुमेन्द्र पंवार का सहयोग सराहनीय रहा। अंत में आभार श्री शिरीष पुरोहित द्वारा व्यक्त किया गया।

किसानों की आय दुगनी करने के लिए सहकारी प्रबन्ध संस्थान एवं सेबी मुंबई की अनोखी पहल

भोपाल। सहकारी प्रबन्ध संस्थान, और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), मुंबई के संयुक्त प्रयास से मध्यप्रदेश एवं छतीसगढ राज्य के किसानों की आय वायदा बाजार के व्दारा दुगनी करने का प्रयास शुरु किया गया हैं। इसके तहत भोपाल में पहला कार्यक्रम 25 प्रगतिशील किसानों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, में 18 मार्च , 2017 को आयोजित किया गया ।

कार्यक्रम के उद्घाटन में श्री वी.सी. चतुर्वेदी , महाप्रबंधक, मुंबई ने अपने उद्बोधन में बताया कि ज्यादातर किसान अपनी फसल को जल्द से जल्द हाजिर बाजार यानि की मण्डी में बेच देते हैं। जिसके कारण भविष्य में हाजिर बाजार में बढते हुए कीमत का फायदा किसान नहीं ले पाते हैं। हाजिर बाजार में जिन्सों की आवक और मांग के कारण खेती उत्पन्न जिन्सों के भाव में काफी ज्यादा उतार चढाव रहता हैं। इस उतार चढाव के जोखिम से बचने के लिए किसान जल्द से जल्द मण्डी में वर्तमान भाव पर माल की निकासी कर अपनी आय को सीमित कर लेता हैं। वर्तमान में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार बाजार व्यवस्था में सुधारा कर और नई बिक्री की प्रणाली को लागू कर किसानों की खेती से होने वाली आय को बढाने के लिए प्रयासरत हैं। इसी दिशा में सेब, मुंबई, सहकारी प्रबन्ध संस्थान भोपाल, आय.आय.एम, कोलकता, आय. आय एम, बंगलौर, एन.सी. डी.सी, नई दिल्ली, नाबार्ड, मुंबई, जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर किसानों के लिए जिन्सों के वायदा बाजार के उपर जागरुकता कार्यक्रम का आयेाजन कर रहा है। उन्होंने किसानों को सेबी,मुंबई और वायदा बाजार के कार्यपध्दति के बारे में बताया ।

विषय विशेषज्ञ डॉ.ए.के. अस्थाना, निदेशक, सहकारी प्रबन्ध संस्थान भोपाल ने उद्घाटन समारोह में बताया कि जिन्सों के वायदा बाजार का लाभ लेने के लिए इस बाजार की तकनीकी पहलूओं को समझना जरुरी हैं। बाद में प्रशिक्षण के दौरान डॉ.ए.के. अस्थाना ने भारत में वायदा बाजार के विका , वायदा बाजार के प्रतिभागी, वायदा बाजार से किसानों को होने वाले लाभ, फारवर्ड कान्ट्रेक्ट, फ्यूचर कान्ट्रेक्ट, हैजिंग, जैसे तकनीकी विषयों पर किसानों को प्रशिक्षित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कमोडेटी एक्सचेंज जैसे कि MCX, NCDEX, NMCE की कार्यपध्दति , जिन्सों की सुपूर्दगी और पैसे के लेनदेन के बारे में विशेष जानकारी देने के लिए NCDEX के श्री प्रशांत चौहान, मैनेजर, बिजनेस ग्रुप और कोटक कमोडेटीके श्री जयकिशन भाटिया, असि. वॉयस प्रेसिडेन्ट ने वायदा बाजार मे भागीदारी करने के लिए तरीकों के बारे में बताया और भागीदारी करने से पहले रखने वाली सावधानियों की ओर ध्यान खींचा । उन्होंने बताया कि वायदा बाजार में जिन्सों के दिखने वाले भाव के आधार पर किसान इस बात का निर्णय ले सकता है कि हाल ही में वह अपने खेतों में कौन सी फसल रोपे और यदि फसल तैयार हो तो किस माह में उचित मूल्य पर बेचे ।

श्री एज.दी पीर, सहायक महाप्रबन्धक सेबी ने कार्यक्रम के अन्त में किसानों से अपील की कि वायदा बाजार सेबी मुबई के वैधानिक निगरानी में काम करता हैं। वर्तमान में चालीस जिन्सों का वायदा कान्ट्रेक्ट तीन नेशनल कम्प्यूटेडी एक्सचेंज पर चल रहे हैं। किसानों को जागरुक होकर हाजिर बाजार में होने वाले नुकसान को कम करने के लिए वायदा बाजार भागीदारी करनी चाहिए।

ऑडिट एवं वसूली पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

खरगोन। म. प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या., खरगोन के सभागृह में वसूली प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 10.3.17 को आयोजित किया गया। प्रथम चरण में खरगोन जिले के वसूली एवं बिक्री अधिकारियों को वसूली प्रबंध पर आगर केन्द्र के प्राचार्य श्री पी. डी. गांवशिंदे तथा इन्दौर केन्द्र के कम्प्यूटर प्रशिक्षक श्री शिरीष पुरोहित द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बैंक के प्रबंध संचालक श्री एम. के. बार्चे द्वारा किया गया तथा बैंक के प्रबंधक श्री अनिल कानूनगो एवं श्री राजेन्द्र आचार्य ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। सत्र के द्वितीय चरण का आयोजन दिनांक 11.3.17 को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की सेंधवा ब्रांच के सभागृह में हुआ। जिसमें बड़वानी जिले के विभागीय अधिकारियों को ऑडिट विषय पर श्री पी. डी. गांवशिंदे, प्राचार्य ने प्रशिक्षण प्रदान किया। सत्र को श्री जी. एस. तरोले, प्रभारी सहायक आयुक्त सहकारिता जिला बड़वानी ने भी संबोधित किया। वित्त सलाहकार श्री चोरसियाजी भी उपस्थित रहे। बड़वानी जिले के पेक्स प्रबंधकों हेतु वसूली प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आगर केन्द्र के प्राचार्य श्री पी. डी. गावशिंदे तथा इन्दौर केन्द्र के कम्प्यूटर प्रशिक्षक श्री शिरीष पुरोहित द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया। अंत में आभार श्री शिरीष पुरोहित द्वारा व्यक्त किया गया।

वसूली प्रबंधन, आडिट एवं सहकारी कार्यकर्ता प्रशिक्षण सम्पन्न

झाबुआ। वसूली प्रबंधन, आडिट एवं ऋणों की वसूली का प्रशिक्षण दिनांक 21.03.2017 को होटल शांति निकेतन में श्री जी.एल. बडोले, उपायुक्त, सहकारिता जिला झाबुआ के मुख्य अतिथ्य में श्री सुनील सक्सेना इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संतोष पाण्डे कृषि सेवा केन्द्र, इंदौर के विशेष आतिथ्य एवं श्री पी.एन. यादव वरिष्ठ महाप्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, झाबुआ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के साथ ही इफको की ओर से सहकारी कार्यकर्ता प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जी.एस. बडोले द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारी आंदोलन के विकास हेतु ऋण वसूली, आडिट परिसमापन आदि विषयों पर प्राशिक्षण आयोजित किया जाना बड़ा सराहनीय है। कर्मचारी पूर्ण लगनता से प्रशिक्षण प्राप्त कर संस्था, बैंक एवं जिले का नाम अग्रणी स्थान पर लाने हेतु प्रयास करना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बैंक के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री पी. एन. यादव द्वारा भी ऋण वसूली एवं बैंक व संबद्ध संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यो पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में श्री सुनील सक्सेना एवं श्री संतोष पाण्डे द्वारा भी इफको द्वारा किये जा रहे कार्य एवं इफकों के माध्यम से किसानों को फायदा पहुंचाने संबंधी जानकारी से अवगत कराया।

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र के प्राचार्य श्री के.एल. राठौर, एवं विधि सलाहकार श्री मनोहर गोरे द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला झाबुआ/अलीराजपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये विशेष लाभप्रद तथा मार्गदर्शक रहा है। कार्यक्रम का संचवालन एवं आभार श्री के.के. मालवी, जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक द्वारा किया गया।

सहकारिता आंदोलन को जनान्दोलन बनाएंगे : श्री सारंग

कृषक सहकारी संगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर। राज्य मंत्री सहकारिता (स्वतंत्र प्रभार) तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विश्वास सारंग ने कहा कि हम सहकारिता आंदोलन को जनान्दोलन बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इस दिशा में ठोस कदम उठाने के साथ-साथ नवाचार भी किए जाएंगे। कोई भी क्षेत्र सहकारिता से अछूता नहीं रहेगा। साथ ही सहकारिता के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए जाएंगे।

श्री सारंग यहां जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषक सहकारी संगोष्ठी मेंमुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पारस्परिक समन्वय, मिलकर चलने की भावना और आपसी सद्भाव ही सहकारिता का मूलमंत्र है। परिवार छोटे मॉडल की सहकारिता का सबसे अ%छा उदाहरण कहा जा सकता है। विशेष रूप से संयुक्त परिवारों में सभी सदस्य घरेलू कार्यों में बराबरी से सहभागिता करते हुए पारस्परिक सहयोग के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। यह अपने आप में सहकारिता का बेहतरीन उदाहरण है। इस सिलसिले में श्री सारंग ने आईसीएच कोऑपरेटिव सोसायटी को भी मिल जुलकर चलाया जा रहा बेहतरीन प्रकल्प बताते हुए कहा कि इसमें भी सहकारिता का अच्छा मॉडल देखने मिलता है। सहकारिता राज्य मंत्री श्री सारंग ने आव्हान किया कि हमें सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने और इसके जरिए किसानों को समृद्धि की ओर अग्रसर कराने के लिए संकल्पित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाकर मध्यप्रदेश को स्वर्णिम प्रदेश बनाने में सभी का सहयोग महत्वपूर्ण है। श्री सारंग ने इस बात पर जोर दिया कि सहकारिता के हर प्रकल्प को मजबूत बनाने की कोशिशों में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आवास संघ के जरिए उचित मूल्य की निर्माण सामग्री की दुकानें भी आरंभ की जाएंगी जो कि देश में अपनी तरह का पहला प्रयोग होगा। सहकारी संघ के माध्यम से कौशल विकास का काम भी किया जाएगा। ग्रामों में सहकारिता के जरिए मिनी मॉल खोलने की दिशा में भी पहल की जाएगी।

श्री सारंग ने कहा कि मुख्य मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सहकारिता में छिपी संभावनाओं को पहचाना और इसे विभाग की बजाए एक जनान्दोलन का स्वरूप प्रदान करने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम सभी मुख्य मंत्री की मंशानुरूप सहकारिता के विविध आयामों को विस्तार देने के लिए कृत-संकल्पित हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधायक सुशील तिवारी इंदु ने कहा कि राज्य मंत्री श्री सारंग ने आज ई-रिक्शों का वितरण किया है। निश्चित रूप से इस पहल से शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू होने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए ई-रिक्शा संचालन के कार्य में लगे अधिकारी और कर्मचारी साधुवाद के पात्र हैं। श्री तिवारी ने कहा कि हाथ-पैरों से रिक्शा चलाने की तुलना में बैटरी चलित ई-रिक्शों का चालन मानवीय मूल्यों के संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएं जन-जन तक पहुंचाना हमारा दायित्व है।

इस अवसर पर महापौर डॉ स्वाति गोडबोले ने कहा कि देश और प्रदेश की सरकारों की नीतियों में नवाचार पर जोर दिया जा रहा है जो कि एक सुखद पहलू है। यदि हम एक-दूसरे की सहायता करते हुए सहकार की भावना के आधार पर आगे बढ़ेंगे तो आने वाला कल स्वर्णिम होगा। उन्होंने देश की बड़ी सहकारी संस्था के रूप आईसीएच की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें इस संस्था से सीखना चाहिए। महापौर ने कामना की कि सहकारिता से प्रदेश और राष्ट्र निरन्तर समृद्धि और विकास के पथ पर अग्रसर हो। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री विश्वास सारंग ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष धर्मेश पटेल, भाजपा नगर अध्यक्ष जी.एस. ठाकुर, पूर्व भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष आशीष दुबे तथा कलेक्टर महेशचन्द्र चौधरी एवं नारायण चौधरी भी मंचासीन थे। कार्यक्रम में सीईओ जिला सहकारी बैंक पी.के. परिहार, उपायुक्त सहकारिता ओ.पी. गुप्ता तथा सहकारिता विभाग के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कृषक मौजूद थे।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त आयुक्त सहकारिता पी.एस. तिवारी ने किया तथा इफ्को के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक आर.एस. तिवारी ने अतिथियों का आभार माना।

कैशलेस ट्रांजेक्शन को प्रोत्साहन हेतु प्रशिक्षण सम्पन्न

इंदौर। म. प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा संचालित सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में केन्द्रीय भण्डारण निगम के सहयोग से जमाकर्ताओं को अग्रिम भुगतान (डिजिटल पैमेंट) के माध्यम से नगद रहित लेन-देन (कैशलेस ट्रांजेक्शन) को प्रोत्साहन देने के लिये एक दिवसीय अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदौर व्यापारी संघ के अध्यक्ष श्री रामस्वरूप खण्डेलवाल जी, विशेष अतिथि केन्द्रीय भंडारण निगम भोपाल के क्षेत्रीय अधिकारी श्री दिनेश कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री वी.पी. सिंह रहे।

कार्यक्रम में बैंक के विषय विशेषज्ञ औधोगिक व्यापारिक बैंक के शाखा प्रबंधक श्री रमेश कुमार राठोर ने कैशलेस ट्रांजेक्शन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी साथ ही आने वाली चुनौतियों का सामना करना भी बताया। केन्द्र के प्राचार्य श्री के.एल. राठौर ने कहा कि कैशलेस ट्रांजेक्शन के बारे में अभी लोगों को जानकी नहीं है, लोग इस सम्बन्ध में अज्ञानी है। इन्हे प्रशिक्षण की आवश्यकता है इन्हें कैशलेश के विषय में जागरूक करना होगा। कार्यक्रम को मुख्यअतिथि इंदौर व्यापारी संघ के अध्यक्ष श्री रामस्वरूप खण्डेलवाल विशेष अतिथि केन्द्रीय भंडारण निगम भोपाल के क्षेत्रीय अधिकारी श्री दिनेश कुमार ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन वेयर हाउस क्रमांक 1 के प्रबंधक पुरूषोत्तम गुप्ता ने किया आभार केन्द्रीय भंडारण निगम इंदौर झोन के मुख्या श्री आर.एस. गुप्ता जी ने माना। इस अवसर पर केन्द्रीय भंडारण निगम, जिला सहकारी संघ मर्यादित, इंदौर, हायर डिप्लोगा इन को-आपरेटिव्ह मैनेजमेंट के प्रशिक्षार्थी गण एवं सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहकारिता मंत्री ने ई-रिक्शे प्रदान किए

जबलपुर। राज्य मंत्री सहकारिता (स्वतंत्र प्रभार) तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विश्वास सारंग ने आज यहां कृषि महाविद्यालय परिसर में ई-रिक्शा परिवहन का शुभारंभ करते हुए ई-रिक्शा परिवहन सहकारी समिति के दस सदस्यों को ई-रिक्शे प्रदान किए। इनमें मीना अहिरवार और नेहा अहिरवार भी शामिल थीं। नवाचार के अन्तर्गत ई-रिक्शा वितरण स्वच्छ पर्यावरण की ओर सहकारिता के बड़े कदम के रूप में देखा जा सकता है।

इस मौके पर महापौर डॉ स्वाति गोडबोले, विधायक सुशील तिवारी इंदु, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष धर्मेश पटेल, भाजपा नगर अध्यक्ष जी.एस. ठाकुर, पूर्व भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष आशीष दुबे, नारायण चौधरी भी उपस्थित थे। कलेक्टर महेशचन्द्र चौधरी, संयुक्त आयुक्त सहकारिता पी.एस. तिवारी, सीईओ जिला सहकारी बैंक पी.के. परिहार, उपायुक्त सहकारिता ओ.पी. गुप्ता की उपस्थिति भी उल्लेखनीय थी।

गेहूं खरीदी का भुगतान 48 घंटे में किसान के खाते में पहुंचे

मुख्य सचिव ने की गेहूँ उपार्जन व्यवस्था की समीक्षा, परख - वीडियो कान्फ्रेंस संपन्न

भोपाल। मुख्य सचिव श्री बसंत प्रताप सिंह ने आज मंत्रालय में **परख** वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में जारी सम-सामयिक गतिविधियों, शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की। प्रदेश में आरंभ हो रहे गेहूँ उपार्जन के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा के साथ प्रदेश में आँगनवाड़ी संचालन की स्थिति, विशेष पोषण अभियान और लालिमा अभियान के क्रियान्वयन तथा आधार पंजीयन की स्थिति की समीक्षा की गई।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन योजना, मोटरयान चालक-परिचालक योजना, पिछड़ा वर्ग पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति योजना, विभिन्न पेंशन योजनाओं के क्रियान्वयन, सी एम हेल्प लाइन, लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम में अधिसूचित सेवाओं के प्रदाय और प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में आवास निर्माण के लिए उचित मूल्य पर निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने की कार्य-योजना पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव श्री सिंह ने नर्मदा नदी के दोनों तटों पर वृक्षारोपण और कलेक्टर कार्यालय भवनों पर रुफटॉप सौर संयंत्रों की स्थापना के संबंध में भी संबंधित जिला कलेक्टर से जानकारी ली।

परख के अंतर्गत मुख्य सचिव वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त संभागायुक्त तथा जिला कलेक्टर से चर्चा करते हैं। मंत्रालय में संपन्न वीडियो कान्फ्रेंसिंग में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री आर एस जुलानिया, प्रमुख सचिव वाणिज्य-उद्योग श्री मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव महिला-बाल विकास, श्री जे.एन. कंसोटिया, प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन श्रीमती सीमा शर्मा, प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री के सी गुप्ता उपस्थित थे।

कान्फेंस में जानकारी दी गई कि गेहूँ उपार्जन के लिए प्रदेश में 3000 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। मुख्य सचिव श्री सिंह ने निर्देश दिए कि गेहूँ तुलाई के 48 घंटों में किसान के खाते में भुगतान पहुँचाना सुनिश्चित किया जाए। श्री सिंह ने किसानों की सुविधा के लिए गेहूँ भंडारण के लिए निकटतम गोदाम चिन्हित करने, भंडारण क्षमता, एसएमएस शिडयूलिंग और उपार्जन केंद्रों पर इलेक्ट्रानिक तौल काँटे और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। आँगनवाड़ी संचालन की स्थिति की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि आँगनवाड़ी कार्यकर्ता पदस्थापना स्थल पर रहें, यह सुनिश्चित किया जाये। ऐसा नहीं होने पर कार्यकर्ताओं को हटाने की कार्यवाही आरंभ की जाये।

वीडियो कान्फ्रेंस में बड़वानी, इंदौर, झाबुआ और खरगोन में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया तत्काल पूर्ण करने को कहा गया। परख में पोषण आहार की समय पर आपूर्ति, स्व-सहायता समूहों के भुगतान पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव श्री सिंह ने कहा कि बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए टीमवर्क और सही मार्गदर्शन से बेहतर परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं। उन्होंने जिलों में कलेक्टर्स को अपने स्तर पर पहल करने के निर्देश दिए। विशेष वजन अभियान तथा रक्त अल्पता (एनिमिया) निवारण के लिए जारी लालिमा अभियान की भी समीक्षा की गयी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सरकार ने सहकारिता ....

निराशा की बात नहीं है हम आशावादी रहे और बेहतर करने का प्रयास करें। इस अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष राजेन्द्र गुरू ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि मैं अभीभूत हूं, जिला सहकारी केद्रीय बैंक के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के कार्यशाला हेतु नावार्ड द्वारा दमोह का चयन किया गया। उन्होंने कहा आप सभी का ह्दय से स्वागत है। उन्होंने कहा सहकारिता वह तंत्र है जिसमें हम किसानों की सेवा करते हैं। श्री गुरू ने कहा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जी की मंशा खेती की आय को दुगुना करने की है जिस पर हम सरकार की मंशा अनुरूप काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में अहम फैसले लिये है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष राजेन्द्र गुरू ने कहा किसानों में वित्तीय रूप से जागरूकता की कमी है उन्होंने जागकरूता अभियान चलाये जाने पर बल दिया। यह भी कहा कि कृषि महोत्सव को वित्तीय जागरूकता से जोड़ा जायें हम उसमें सहभागी बनेगें। श्री गुरू ने बैंक वित्तीय स्थिति से अवगत कराते हुए कहा कि बैक लाभ में चल रहा है। इस अवसर पर नावार्ड सीजीएम के.आर. राव ने भी अपने विचार रखें।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष देव नारायण श्रीवास्तव, विधायक उमादेवी खटीक, जिला पंचायत अध्यक्ष शिवचरण पटैल, नगरपालिका अध्यक्ष मालती असाटी, सांसद प्रतिनिधि आलोक गोस्वामी, समाज सेवी एवं युवा नेता सिद्धार्थ मलैया, महामंत्री रमन खत्री, प्रीतम सिंह लोधी, सुरेश पटेल, सुखनंद पटेल, प्रभात सेठ, विवेक शेंडे, मनीष तिवारी, बहादुर सिंह मुरारी लाल पटैल, इंतखाब बेग, मोन्टी रैकवार, रितेश सोनी, रूपेश रजक सहित सहकारिता से जुड़े हुए प्रतिनिधि, सम्मानीय मीडिया प्रतिनिधि मौजूद थे।

मत्स्य-बीज संचय संशोधित नीति हुई अनुमोदित

मत्स्य-पालन मंत्री श्री अंतर सिंह आर्य की अध्यक्षता में हुई मत्स्य महासंघ काम-काज समिति की बैठक

भोपाल। मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास मंत्री श्री अन्तर सिंह आर्य की अध्यक्षता में मत्स्य महासंघ की कामकाज समिति की बैठक में महासंघ कर्मियों को शासन के अनुरूप 7 प्रतिशत महँगाई भत्ता भुगतान की स्वीकृति दी गई। संशोधित मत्स्य-बीज संचय नीति को स्वीकृति दी गई। इसके तहत संचय लक्ष्यों के अनुरूप मत्स्य-बीज संचय न करने पर अनुबंधग्रहीता से शेष रह गये मत्स्य-बीज की दोगुनी मात्रा को आगामी वर्ष में जलाशय में संचय करवायी जायेगी अथवा दोगुनी राशि वसूली की जायेगी। नवीन नीति लागू होने से जलाशय के विकास एवं मत्स्य-उत्पादकता में होने वाली हानि की भरपाई हो सकेगी। यह नीति वर्ष 2017-18 से सभी जलाशय पर लागू की जायेगी।

बैठक में उत्तर प्रदेश एवं मध्यप्रदेश की सीमा में निर्मित अन्तर्राज्यीय राजघाट जलाशय की गतिविधियों के संचालन के संबंध में भी चर्चा की गई। श्री आर्य ने छत्तीसगढ़ मत्स्य महासंघ से अधिकाधिक मत्स्य-बीज क्रय कर जलाशयों में संचय कर मत्स्य-उत्पादन बढ़ाने की बात कही। मछुआ आवास कॉलोनियों में पेयजल व्यवस्था के लिये लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से कार्य करवाये जाने की अनुमति दी गई।

मत्स्य-बीज की संख्या बढ़ाते हुए मछली उत्पादन बढ़ाने, सभी शासकीय तालाबों में मछली पालन करने, नीली क्रांति योजना में केज कल्चर विकसित करने, खाली पदों पर शासन के नियमानुसार भर्ती करने आदि अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक में प्रमुख सचिव श्री विनोद कुमार, मत्स्य महासंघ के प्रबंध संचालक श्री सतीशचन्द सिलावट, सचिव श्री एस. जोशी एवं संचालक श्री ओ.पी.सक्सेना उपस्थित थे।

जैविक खाद बनाने बनेंगे महिला स्व-सहायता समूह

पशुपालन मंत्री श्री आर्य की अध्यक्षता में परामर्शदात्री समिति की बैठक

भोपाल। गोबर एवं अन्य अपशिष्ट से जैविक खाद बनाने के लिये पशुपालन विभाग महिला स्व-सहायता समूह गठित करेगा। यह निर्णय पशुपालन मंत्री श्री अंतर सिंह आर्य की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभागीय परामर्शदात्री समिति ने लिया। जैविक खाद निर्माण से काफी अच्छी आमदनी होती है। बैठक में विधायक श्री मोती कश्यप, श्री जयसिंह मरावी, डॉ. कैलाश जाटव, विभाग के प्रमुख सचिव श्री अश्विनी राय और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में तय किया गया कि पशुओं की बिक्री साल में दो बार केवल गोकुल महोत्सव में ही होगी। इससे पशु की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। गोकुल महोत्सव 31 अक्टूबर 2016 से प्रदेश में प्रारंभ हुआ है। गत 14 मार्च से प्रारंभ दूसरा चरण 14 अप्रैल 2017 को समाप्त होगा।

बैठक में मुख्य सड़कों पर आवारा पशुओं को बैठने से रोकने के लिये भी चर्चा की गई। विधायक श्री मोती कश्यप ने कहा कि एक अभियान चलाकर इन पशुओं को राज्य और राष्ट्रीय राजमार्ग पर आने से रोका जाये। श्री जाटव ने कहा कि ऐसे पशुओं पर रेडियम पेंट किया जाय।

श्री आर्य ने बताया कि केन्द्र शासन ने देशी गायों की नस्ल उन्नयन के लिये देश में दो कामधेनु केन्द्र की स्वीकृति दी है। इनमें से एक होशंगाबाद जिले के कीरतपुर में बन रहा है। पहले चरण में 17 नस्ल की गाय दी गई हैं।

आनन्दित रहने के लिये दूसरों के साथ करूणा और प्रेम का भाव रखना जरूरी

तिब्बती धर्मगुरु श्री दलाई लामा का आनंदित रहने की कला पर व्याख्यान

भोपाल। सभी धर्म मानव को करूणा, प्रेम तथा आपसी सदभाव व भाईचारे के साथ रहने की शिक्षा देते हैं। अपने जीवन में आनन्द लाने के लिये जरूरी है कि हम दूसरों की भलाई के बारे में सोचे और सभी के प्रति करूणा और प्रेम का भाव रखें। यह बात बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने आज विधानसभा के मानसरोवर सभागार में संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित **आनन्दित रहने की कला** विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अपने व्याख्यान में कही। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरण शर्मा, वित्त मंत्री श्री जयंत मलैया, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विश्वास सारंग सहित विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि, विधायक और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम में दलाई लामा ने राज्य आनंद संस्थान द्वारा तैयार किय गये **आनन्द केलेण्डर** का लोकार्पण भी किया। यह केलेण्डर मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthanmp.in पर भी उपलब्ध है।

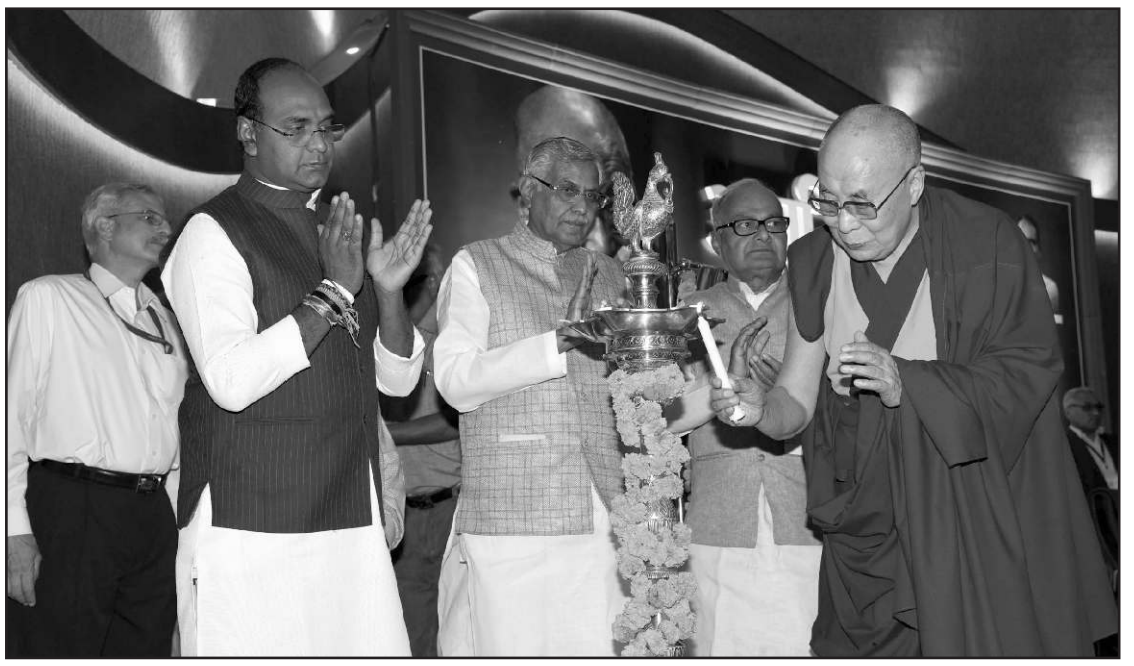

धर्मगुरु दलाई लामा ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने के उददेश्य से आनन्द विभाग गठित किये जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पर्यावरण और नदी संरक्षण के लिये नर्मदा सेवा यात्रा का आयोजन अत्यन्त सराहनीय प्रयास है। उन्होंने स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर शिक्षा के पाठ्यक्रम में बच्चों को प्रेम, करूणा तथा सर्वधर्म समभाव जैसे विषयों को शामिल किये जाने की आवश्यकता बताई।

धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा कि आधुनिक शिक्षा पद्धति भौतिक विकास की शिक्षा ही देती है जबकि मानव के आंतरिक सुख की प्राप्ति के लिये आध्यात्म से संबंधित शिक्षा दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों की पहली शिक्षक उनकी माँ होती है तथा माँ ही बच्चों को प्रेम, करूणा और स्नेह का पहला पाठ सिखाती है। उन्होंने कहा कि खुशहाली और आनन्द का अमीरी या गरीबी से कोई संबंध नहीं है। खुशहाली हमारे सोच पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि कोई भी एक धर्म परिपूर्ण व सर्वश्रेष्ठ नहीं हो सकता। सभी धर्मों की अपनी-अपनी विशेषताएँ हैं। जिस तरह हर बीमारी की अलग-अलग दवा होती है उसी तरह अलग-अलग प्रकृति के लोगों के लिये अलग-अलग धर्म भी स्थापित किये गये हैं। धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा कि सभी धर्मों को जाति प्रथा को हतोत्साहित करना चाहिये। समाज में कोई छोटा या बड़ा नहीं होना चाहिये, सभी को बराबर सम्मान मिलना चाहिये। धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा कि क्रोध व ईर्ष्या से सभी को बचना चाहिये। उन्होंने अपनी माँ की याद करते हुए कहा कि मेरी माँ बहुत दयालु थी तथा माँ ने ही दया व प्रेम के संस्कार मुझे दिये हैं। दलाई लामा ने कहा कि सभी को हर उम्र में अध्ययन जरूर करना चाहिये। उन्होंने बताया कि वे 82 वर्ष की आयु होने के बावजूद आज भी नियमित रूप से पुस्तकों का अध्ययन करते हैं।

स्वागत उदबोधन में वित्त मंत्री श्री जयंत मलैया ने बताया कि धर्मगुरु दलाई लामा ने आज सुबह देवास जिले में नर्मदा सेवा यात्रा में शामिल होकर पर्यावरण और नदी संरक्षण की इस पहल की सराहना की है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरण शर्मा ने अपने संबोधन में रामचरित मानस की चौपाइयों के उद्धरण से बताया कि संत के मिलन से बड़ा कोई सुख और आनन्द नहीं है। श्री शर्मा ने राज्य सरकार द्वारा गठित आनंद विभाग और उसकी गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में श्री दलाई लामा के विधानसभा के सभागार में आगमन पर उन्हें खुशी है। श्री शर्मा ने कहा कि संतों के सान्निध्य से आनंद विभाग अपने उददेश्य को सार्थक कर रहा है। अंत में आभार प्रदर्शन सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री श्री विश्वास सारंग ने किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव आनन्द विभाग श्री इकबाल सिह बेंस, प्रमुख सचिव संस्कृति श्री मनोज श्रीवास्तव तथा आयुक्त संस्कृति श्री राजेश मिश्रा सहित विभिन्न अधिकारी भी मौजूद थे।

गाँव की समृद्धि में मनरेगा की अहम भूमिका

प्रदेश मनरेगा कार्यकारिणी समिति की बैठक में ग्रामीण विकास मंत्री श्री भार्गव

भोपाल। कपिलधारा कूप पूर्ण करने में प्रदेश देश में अव्वल पर है। मनरेगा से 3 लाख 55 हजार से अधिक हितग्राहियों को कपिलधारा कूप का लाभ दिया गया है, जिससे सिंचाई रकबे में लगभग 4 लाख 50 हजार हेक्टेयर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। वर्ष 2016-17 में प्रदेश में 41 हजार 18कपिल कूप स्वीकृत किये गये जिनमें से 26हजार 473 कूप पूरे किये जा चुके हैं। यह जानकारी आज पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री गोपाल भार्गव की अध्यक्षता में संपन्न मनरेगा कार्यकारिणी समिति की बैठक में दी गई।

मंत्री श्री भार्गव ने कहा कि मनरेगा में प्रदेश के हर जरूरतमंद व्यक्ति को काम के साथ-साथ आजीविका के स्थायी साधन तैयार किये जाये। प्रयास यह हो कि रोजगार के अलावा गाँव की समृद्धि में भी मनरेगा कारगर साबित हो। मंत्री श्री भार्गव ने कहा कि मनरेगा के तहत हर गाँव में मोक्ष धाम, खेल मैदान, गाँव की सुदूर बसाहट को जोड़ने वाली सड़कें तथा जरूरतमंद को सिंचाई सुविधा का लाभ देने के लिए कपिलधारा कूप का निर्माण करवाया जाये। श्री भार्गव ने कहा कि लक्षित मानव दिवस को प्राप्त करने के विशेष प्रयास किये जाये। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री विश्वास सारंग ने मनरेगा की आजीविका के स्थायी साधन तैयार करने वाली योजनाओं को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करवाने पर जोर दिया।

अपर मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्री आर.एस. जुलानिया ने प्रदेश में मनरेगा के क्रियान्वयन की रूपरेखा से अवगत करवाया। आयुक्त मनरेगा श्रीमती जी.व्ही. रश्मि ने बताया कि प्रदेश में मनरेगा योजना के प्रारंभ से अब तक 29 लाख से अधिक कार्य स्वीकृत कर तकरीबन 82 फीसदी अर्थात 24 लाख से अधिक कार्य पूरे किये जा चुके हैं। प्रदेश में मनरेगा कार्यों की जियोटेगिंग की कार्यवाही की जा रही है। भारत सरकार द्वारा दिये गये 2 लाख 25 हजार लक्ष्य के विरूद्ध 3 लाख 89 हजार कार्यों की जियोटेगिंग की जा चुकी है, जो कुल उपलब्धि का 173 प्रतिशत है। प्रदेश में मनरेगा के 90 फीसदी मजदूरों को आधार आधारित भुगतान करने की कार्यवाही की जा रही है।

नमामि देवि नर्मदे

नर्मदा सेवा यात्रा

एक अनूठा अवसर माँ नर्मदा की
सेवा में आपके योगदान का

नर्मदा सेवकों का ऑनलाइन पंजीयन

मध्यप्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली में जीवनदायिनी नर्मदा का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। नर्मदा में निर्मल जल का प्रवाह अविरल बना रहे, यह हम सबका पुनीत कर्तव्य है।

नर्मदा को प्रदूषण मुक्त कर इसके दोनों तटों पर सघन वृक्षारोपण द्वारा नर्मदा सेवा का विशाल अभियान 'नमामि देवि नर्मदे–नर्मदा सेवा यात्रा' चलाया गया है ।

आइये, अधिक से अधिक संख्या में नर्मदा सेवक के रूप में ऑनलाइन पंजीयन कराकर आप भी अभियान से जुड़कर अपना योगदान करें।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

नर्मदा सेवक बनने के लिए आप वेबसाइट
http://www.namamidevinarmade.mp.gov.in/narmadasevak.aspx
पर अपना पंजीयन कर सकते हैं।

म.प्र. जन अभियान परिषद्
योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग

Follow Chief Minister Madhya Pradesh /CMMadhyaPradesh /CMMadhyaPradesh /ChouhanShivrajSingh

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2017

D-80657/17

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक दिनेशचंद्र शर्मा द्वारा सांध्य प्रकाश लि.'सांध्यप्रकाश भवन' मालवीय नगर, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : दिनेशचंद्र शर्मा
डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/357/2015-17 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2725518, फैक्स : 0755-2726160 इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।